>**Title:** Urgent need to solve the problems of the farmers in the country.

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) :अध्यक्ष महोदय, उपाध्यक्ष जी ने कहा था कि प्रधान मंत्री जी के बयान के बाद हम आपको मौका देंगे। हम अपने सभी सदस्यों को शान्त करके वापिस लाए। उपाध्यक्ष जी ने निर्णय लिया था और संसदीय कार्य मंत्री भी बोले थे। इसलिए अब मुझे बोलने का मौका दीजिए। किसान का सवाल मामूली नहीं है। इस वक्त धान और आलू का किसान, आपको यह जान कर आश्चर्य होगा ...(व्यवधान)आप सुन तो लीजिए।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप इसे ज़ीरो ऑवर में रेज़ कर सकते हैं। सबको क्यों डिस्टर्ब कर रहे हैं। आपने क्वश्चन ऑवर में हाउस को क्यों डिस्टर्ब किया? क्वश्चन ऑवर में डिस्टर्ब किया और ज़ीरो ऑवर में भी डिस्टर्ब कर रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव :कोल्ड स्टोरेज के मालिकों ने कह दिया कि मुफ्त में आलू ले जाइए। मुफ्त में आलू लेने को कोई तैयार नहीं है। कोल्ड स्टोरेज खाली नहीं हैं। आलू की पैदावार कहां जाए। प्रधान मंत्री जी बैठे हैं, पूरी सरकार बैठी है। आखिर कितनी बार बहस हो। हम क्वश्चन ऑवर को चलाना चाहते थे और चलवाया। इसलिए मैंने अपने सदस्यों को वापिस लिया।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने आधे घंटे तक तो डिस्टर्ब कर दिया।

श्री मुलायम सिंह यादव : आलू का किसान आलू कहां ले जाएगा। कन्नौज और फरूखाबाद के कोल्ड स्टोरेज के मालिकों ने कह दिया कि आलू मुफ्त में ले जाइए लेकिन मुफ्त में आलू लेने को कोई तैयार नहीं है। जगह खाली नहीं हो रही है तो आलू कहां जाए। धान का किसान वैसे ही बर्बाद हो गया, मक्का और बाजरे का भी हो गया। हम चाहते हैं कि कम से कम बारह हजार करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश के लिए किसानों को सबसिडी देनी चाहिए वर्ना किसान बर्बाद हो जाएगा, हो गया है और आत्मदाह करेगा। वह कर्ज में डूब गया है, लड़कियों की शादी नहीं कर सकता, कर्जा दे नहीं सकता। गन्ना किसानों पर गोली भी चलती है। प्रधान मंत्री जी, आपको जान कर ताज्जुब होगा कि सारे किसान बर्बाद हो गए। हम आपसे अपील और प्रार्थना करते हैं कि सारे कार्यक्रम को रोक कर इस पर तत्काल बहस करनी चाहिए। जब तक डब्ल्यू.टी.ओ. में नीतियां नहीं बदलेंगे, प्रधान मंत्री जी, कृपा करके छः महीने का नोटिस देकर किसानों को उससे निकाल दीजिए। आप अन्तर्राट्रीय बाजार संगठन से घी भी लाएंगे, दूध भी लाएंगे तो हम गाय, भैंस भी नहीं चरा पाएंगे। किसान के यही साधन थे। अब विदेशी दूध और घी भी बेचेंगे। इसलिए हम प्रार्थना करना चाहते हैं कि आप इसे करिए।â€¦(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, हमने नोटिस दिया है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको भी मौका मिलेगा। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण और गंभीर विाय है। पिछले सत्र में कांग्रेस ने मांग रखी थी कि इस पर चर्चा हो और उस समय निश्चित रूप से चर्चा हुई। लेकिन उसके बाद कोई ठोस कदम सरकार ने नहीं उठाए। सरकार ने इस पर कोई रीएक्शन नहीं किया, कोई ऐसे कदम नहीं उठाए जिससे कुछ राहत पहुंचे। आज भी पूरे देश में किसान समाज में त्राहि-त्राहि मची हुई है। किसान हमारी अर्थव्यवस्था की बुनियाद है। इतवार को लाखों किसान इस देश की राजधानी में आ रहे हैं। कांग्रेस की एक रैली हो रही है और हम इस बात को बहुत ही जोर से उठाने वाले हैं, बहुत बुलन्दी से उठाने वाले हैं। हमारी पूर्ण तरह से मांग है कि जब तक इस मुद्दे के संतोाजनक रूप से समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाएंगे, तब तक कांग्रेस बोलती रहेगी, इस विाय को उठाती रहेगी और किसानों की आवाज को बुलन्द करती रहेगी। हमारी मांग होगी कि इस सैशन में भी इस पर विस्तृत चर्चा हो और कोई न कोई कदम उठाए जाएं ताकि हमारे किसान अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सकें।

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, मुझे बड़ा आश्चर्य है कि किसानों के बारे मेंâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have called Dr. Vijay Kumar Malhotra.

...(*Interruptions*)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): Sir, this House should discuss it...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have called Dr. Vijay Kumar Malhotra.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seat. आपको मौका मिलेगा, बैठ जाइये।

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष जी, सरकार की ओर से प्रमोद महाजन जी ने यह बात रखी कि किसानों के बारे में जब कभी भी बहस होगी, सरकार अपना पक्ष रखने के लिए तैयार है, परन्तु मैं यह कहना चाहता हूं कि आश्चर्य है कि इसके बारे में कांग्रेस पार्टीâ€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश जी, इस बारे में आपको बुलाएंगे। आप बैठ जाइये।

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : जी हां, मैं आपकी बात ही कह रहा हूं। समाजवादी पार्टी के नेता ने और कांग्रेस पार्टी के उपनेता ने किसानों की समस्या पर बहस की मांग की है। हमारी सरकार भी और हमारी पार्टी भी किसानों की समस्या पर पूरी बहस करना चाहती है, किन्तु अपने पापों पर परदा डालने के लिए कांग्रेस पार्टी लाखों किसानों को दिल्ली में इकट्ठा करे, जिसके लिए वे खुद जिम्मेदार हैं, डब्लू.टी.ओ. पर साइन करने वाले ये लोग हैं, समाजवादी पार्टी के लोग उसमें शामिल हैं और आज उसकी वजह से जो कुछ हो रहा है, उसके लिए किसानों को लाकर इस तरह की राजनीति करें, यह उचित नहीं है। जब बहस होगी, सरकार अपना पक्ष इनके सामने रखेगी।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह :अध्यक्ष महोदय, सदन में किसानों के सवाल पर बहस होती है, लेकिन बहस के बाद भी किसानों की समस्या का समाधान नहीं हो रहा

है। उदाहरणस्वरूप बिहार के किसानों ने 123 लाख टन अनाज पैदा किया, लेकिन एफ.सी.आई. ने अभी केवल पांच हजार टन की ही खरीद की है। बिहार में गेहूं और मक्का की खरीद हुई ही नहीं है। वहां गेहूं और मक्का की खरीद नहीं हुई और धान की भी नगण्य खरीद हुई। इस कारण किसानों को आधे दाम पर अपना सामान बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। आज दूध के किसान आतंकित हैं, तिलहन और दलहन के सब किसान तबाह हो रहे हैं, इसीलिए हमने बार-बारâ€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने कोई नोटिस नहीं दिया। You have not given any notice.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : हमने बार-बार मांग की है कि किसानों की समस्या के समाधान के लिए सदन की समिति बनाई जाये।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका नोटिस इस विाय पर नहीं है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : मैं मांग करता हूं कि केबिनेट कमेटी ऑन एग्रीकल्चर बनाई जाये, प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में केबिनेट कमेटी बनाई जाये, जो किसानों की समस्याओं का समाधान करे। केबिनेट कमेटी ऑन इकोनोमिक अफेयर्स है, लेकिन किसानों के सवाल पर केबिनेट कमेटी ऑन एग्रीकल्चर बनाई जाये, जिसकी अध्यक्षता प्रधान मंत्री करें, चूंकि किसानों को सारी चीजों की जरूरत होती है। यही मेरी प्रार्थना है।

SHRI RUPCHAND PAL : It is not only the question of sufferings ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am coming to you. This is `Zero Hour'. There is no point of order.

...(*Interruptions*)

श्री रामानन्द सिंह (सतना) :अध्यक्ष महोदय, आपने जीरो ऑवर प्रारम्भ करते ही मेरा नाम पुकार लिया, अब मुझे आप बुला नहीं रहे। अब यह क्या शुरू हो गया?

अध्यक्ष महोदय : आपको भी बुलाएंगे।

श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : किसानों पर से आप कहां चले आये?

SHRI RUPCHAND PAL: The farmers, the peasantry of this country, are facing a very serious situation. They are not getting the prices of their produce as a result of the wrong policy of the Government. Not only that, even when the Parliament is in Session, the Government is selling profitable undertakings like BALCO. Yesterday only the Government had taken a decision to sell out BALCO....(*Interruptions*) When Parliament is in Session, the Government is not bringing all these vital issues to the Parliament. We oppose this policy of the Government to sell out profitable organisations like BALCO. Government owes an explanation to the Parliament. ...(*Interruptions*) Not only the peasantry...(*Interruptions*)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA: I have also given a notice on BALCO.

SHRI RUPCHAND PAL: The Government owes an explanation to the House. Are they following any evaluation method or not? It seems they are only to serve the interest of a particular organisation or a particular business house.

Sir, this Parliament has again and again opposed the wrong policies of the Government...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

...(*Interruptions*)

SHRI RUPCHAND PAL : Sir, the Government should stop selling out profit making public sector organisations.

MR. SPEAKER: Does the Government want to say anything on the issue of farmers?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): Sir, already in the Question Hour, the Government has showed its readiness to discuss the issue of farmers at any point of time.

कुंवर अखिलेश सिंह : मान्यवर, मेरा भी नाम है, यह बहुत गम्भीर सवाल है। हमने भी सूचना दी हैâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the statement of Shri Ramanand Singh.

(Interruptions) *